हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

11 मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से सोई आत्मिक...

12 प्रॉपर्टी टैक्स के खिलाफ गांवों की हुंकार, निगम नीति...

51 कुंडीय महायज्ञ में आर्य वीरों और वीरांगनाओं ने डाली आहुतियां

कार्यक्रम में जींद के एसपी कुलदीप सिंह रहे मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव पबनेरा जिला सोनीपत में आयोजित आर्य वीर दल एवं ग्राम पबनेरा समिति के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह कार्यक्रम था। कार्यक्रम में जींद के पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचें।

कार्यक्रम के दौरान 51 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसके यज्ञ ब्रह्मा आचार्य संदीप दर्शनाचार्य (आर्य वीर दल हरियाणा के सह संचालक) रहे, जिन्होंने वेद मंत्रों के द्वारा पूरे प्रांगण को यज्ञमय बना दिया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान आर्य वीर एवं वीरांगनाएं साथ में अतिथिगण एवं अन्य।

सामूहिक भव्य व्यायाम प्रदर्शन भी दिखाया

51 कुण्डीय महायज्ञ पर गांव पबनेरा के गणमान्य व्यक्ति, स्कूल के अध्यापक व बच्चे तथा आर्य वीर व आर्य वीरांगनाओं द्वारा आहुतियां डाली गई। चरित्र निर्माण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 200 आर्य वीर व वीरांगनाओं ने सामूहिक भव्य व्यायाम प्रदर्शन भी दिखाया। कार्यक्रम का मंच संचालन विजय आर्य ने कुशलतापूर्वक किया और अपने शारीरिक बल से 4 बुलेट मोटरसाइकिल को रोककर युवाओं को एक प्रेरणा देने का कार्य किया।

आर्य वीर दल एवं ग्राम पबनेरा समिति के संयुक्त तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि द्वारा शिविर में चयनित और गांव के सरकारी स्कूल में होनहार प्रत्येक छात्र-छात्राओं को 1,100/- प्रोत्साहन राशि से सम्मानित करने का कार्यक्रम भी किया गया। आर्यवीर प्रशांत और वीरांगना संजीवनी को 5,100-5,100/- रुपए की राशि से प्रोत्साहन किया। इसके अतिरिक्त मुख्यातिथि द्वारा गांव के राजकीय स्कूल के लिए भी एक लाख रुपए की राशि भेंट की गई। इस मौके पर स्वामी दिव्यानंद सरस्वती, आचार्य राजेश दर्शानाचार्य और आचार्य संदीप श्रयार्थी रहे, जिनके द्वारा अपने प्रवचनों से कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राकेश, गांव के सरपंच प्रतिनिधि प्रवीन, जितेंद्र, पवन, संदीप, गौतम, आर्य समाज खाण्डा-खेड़ी के प्रधान सुखदेव आर्य व खाण्डा-खेड़ी के सरपंच बलजीत सिंह व आर्य वीर दल सोनीपत के जिला संचालक भगत सिंह व अन्य मौजूद रहे।

महिलाओं को जानकारी देतीं आचार्य मोनिका आर्य।

महिलाओं को सत्य व सनातन धर्म के प्रति किया जागरूक

सोनीपत। आर्य महासंघ की ओर से सरस्वती विहार स्थित वीर बंदा बैरागी धर्मशाला में रविवार को महिला आर्य प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा व आर्य परिषद की जिला अध्यक्ष आचार्य मोनिका आर्य ने महिलाओं को सत्य व सनातन धर्म के प्रति जागरूक किया। शिक्षित महिलाएं ही एक उन्नत राष्ट्र का निर्माण कर सकती हैं। महिला शिक्षा परिवार, समाज व अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित करती है। शिक्षित महिला न केवल बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा को बेहतर बनाती है, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर देश के विकास में भी योगदान देती है। यह सशक्तिकरण, सामाजिक असमानता को मिटाकर सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। शिविर में इंद्रावती, आदर्श, संगीता, गरिमा, ज्योति मौजूद रही।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर शिक्षा विभाग के राडार पर स्कूल

टीम गठन में लापरवाही बरतने वाले 113 स्कूलों पर सख्ताई

शिक्षा विभाग ने एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 के तहत 1290 स्कूलों में पौधरोपण करवाने का रखा था लक्ष्य, पौधरोपण अभियान से 1.29 लाख पौधे लगाए का लक्ष्य पूरा, पर पोर्टल पर दर्ज नहीं किया यूथ एंड इको क्लब के गठन का नोटिफिकेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले के राजकीय व निजी स्कूलों में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत सरकार की वेबसाइट पर यूथ एंड इको क्लब के गठन का नोटिफिकेशन अपलोड न करने वाले स्कूल शिक्षा विभाग के राडार पर आ गए हैं। अधिकारियों ने खंड शिक्षा अधिकारियों को क्षेत्र के सभी शेष स्कूलों से क्लब के गठन का नोटिफिकेशन पोर्टल पर जल्द अपलोड करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि कार्य को पूरा करवाया जा सके। हालांकि पोर्टल पर नोटिफिकेशन अपलोड करने की तय समय सीमा 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई थी, जबकि कई स्कूल प्रबंधन मामले में ढिलाई बरत रहे हैं।

पौधरोपण अभियान के बाद 1290 में से 1177 विद्यालयों ने ही पोर्टल पर दर्ज करवाई है जानकारी

विभाग ने खंड शिक्षा अधिकारियों के मार्फत शेष 113 स्कूलों को दी हिदायत देकर काम पूरा करने के दिए निर्देश

> पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के सभी स्कूलों में जून 2025 एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की शुरुआत की गई थी। साथ ही यूथ एंड इको क्लब का गठन कर पोर्टल पर नोटिफिकेशन अपलोड करने के निर्देश जारी किए गए थे। कुछ स्कूलों ने विभाग के निर्देशों की पालना नहीं की है। ऐसे स्कूलों को पोर्टल पर जल्द नोटिफिकेशन अपलोड करने की हिदायत दी गई है। *-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत*

जून 2025 में शुरू की थी पहल

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शिक्षा विभाग ने जून 2025 में जिला के राजकीय व निजी स्कूलों एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की अनूठी पहल शुरू की थी। अभियान के तहत 1 लाख 29 हजार पौधे रोपने के साथ स्कूलों में यूथ एंड इको क्लब का गठन कर सरकार की वेबसाइट पर नोटिफिकेशन अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। अभियान में सोनीपत के 1290 राजकीय व निजी स्कूलों को शामिल किया गया था। हालांकि स्कूलों की ओर से 1.29 लाख पौधरोपण का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है और 1177 स्कूलों ने यूथ एंड इको क्लब का गठन कर पोर्टल पर नोटिफिकेशन अपलोड कर दिया है। जिले के 113 स्कूलों ने अब तक संज्ञान न लेते हुए नोटिफिकेशन पोर्टल पर अपलोड नहीं किया है। विभाग ने ऐसे स्कूलों पर सख्ताई बरतना शुरू कर दिया है।

स्कूल प्रमुख को पैट्र्न के तौर पर नियुक्त करनी थी टीम

शिक्षा विभाग ने जिले के ऐसे स्कूलों को संख्त हिदायत दी है कि संबंधित विवरण जल्द पोर्टल पर अपलोड किया जाए। बता दें कि सभी स्कूलों में यूथ एंड इको क्लब के गठन में स्कूल प्रमुख को पैट्र्न नियुक्त किया गया था, जबकि एक मेधावी या श्रेष्ठ विद्यार्थी को क्लब का अध्यक्ष नियुक्त किया जाना था। साथ ही एक शिक्षक को सदस्य के रूप में नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं के माध्यम से एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के माध्यम से वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में विद्यालयों के प्रत्येक विद्यार्थी व शिक्षक से पौधरोपण करवाने का लक्ष्य रखा गया था।

एक पेड़ मां के नाम इको क्लब फॉर मिशन लाइफ

अधिकारियों ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम इको क्लब फॉर मिशन लाइफ है। इसका मतलब जैसे मां अपने बच्चों की सुरक्षा, उनके भविष्य की योजना का ध्यान रखती है। इसी प्रकार पौधे भी मां की तरह हमारी सेहत का ध्यान रखते हैं, हमें बीमारियों से बचाते हैं। एक पेड़ मां के नाम एक प्रयास है, जो हमारी मातृभूमि व प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान एवं समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर पौधा लगाकर एक स्थाई स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि हरे-भरे एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा।

अभियान के 3 चरण और बजट पर नजर

पर्यावरण संरक्षण के लिए विभाग ने अभियान को 3 चरणों में बांटा था। पहला चरण में 5 से 11 जून 2025 तक था, जिसमें शिक्षकों व विद्यार्थियों को अपने आसपास खाली पड़ी जमीन पर पौधरोपण करना था। दूसरे चरण में 30 सितंबर तक विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर परिसर को हरा-भरा बनाना था। तीसरा चरण अक्तूबर 2025 से मार्च 2026 तक निर्धारित है। इस चरण में शिक्षकों व विद्यार्थियों को अपने लगाए गए एक-एक पौधे की देखभाल कर उन्हें पेड़ का रूप देने में सहायक की भूमिका निभानी है। इसके लिए राजकीय विद्यालयों में अलग से बजट भी जारी किया गया है। प्रत्येक विद्यालय में पौधरोपण व इनकी देखरेख के लिए 3000 रुपये ग्रांट जारी की गई थी।

गन्नौरः शिविर में 61 यूनिट रक्त एकत्रित

गन्नौर। शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता। *फोटो : हरिभूमि*

गन्नौर। बेगा युवा वेलफेयर सोसाइटी व जनहित अभियान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जनता लेब, बैगा रोड पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान समाजसेवी सोमबीर शास्त्री ने 58वीं बार रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। जनहित अभियान फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि शिविर में कुल 61 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। संस्था समय-समय पर ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सेवा भावना को मजबूत करने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, जस्सा पंडित, बिंटू शर्मा, दीपक बेगा, राजीव वकील, सुरेश भूटानी आदि मौजूद रहे।

संत रविदास ने दिया एकता और सद्भाव का संदेशः बड़ौली

सोनीपत। कबीरपुर की धानक चौपाल में गुरु रविदास का जयंती समारोह का आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली और पूर्व मेयर राजीव जैन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निगम पार्षद संगीता देवेंद्र सैनी की। सर्वप्रथम संत शिरोमणी रविदास की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करके नमन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि संत शिरोमणी रविदास ने हमें जाति पाति, छुआ छूत को दूर करते हुए प्रेम, समानता और भक्ति मार्ग पर चलने और समाज में एकता और सद्भाव स्थापित करने का संदेश दिया हैं। राजीव जैन ने कहा कि संत शिरोमणी रविदास मन चंगा तो कठौती में गंगा की उनकी वाणी हमें सच्चे आचरण और आत्मिक शुद्धता का संदेश देती है। मंच का सफल संचालन नेशनल अवॉर्ड विजेता दीपक कुमार मंथन ने किया। इस अवसर पर नंबरदार बालमुकुंद मेहरा, हरियाणा अधिवक्ता परिषद उपाध्यक्ष नकीन मेहरा, एससी मोर्चा बीजेपी के जिलाध्यक्ष शमशेर तूफान, एससी मोर्चा सचिव कृष्ण लड़वाल, निगम पार्षद संगीता देवेंद्र सैनी, पूर्व सरपंच कबीरपुर सुरेश सैनी, जिला सैनी सभा के पूर्व प्रधान डॉ. बाल कृष्ण सैनी, ईश्वर सैनी, कृष्ण शर्मा, शामलाल दीवान, जग्गू जगदीश सैनी, बलमत मेहरा, अतुल किशोर मोरवाल, सुभाष नागर, अमिता मोरवाल, विशाल नागर, शीलू प्रधान, सुनील मेहरा भल्ला, भतेरी खानी, सुभाष आदि मौजूद रहे।

मलिकपुर में झूठी चोरी, कर्ज से बचने के लिए रचा गया ड्रामा

सोनीपत। गांव मलिकपुर में चोरी की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता ने कर्ज के दबाव में चोरी की मनगढ़ंत कहानी तैयार की थी। पुलिस की पूछताछ के दौरान सच्चाई सामने आने पर वह फरार हो गया। रविवार सुबह डायल-112 पर कॉल कर युवक ने खुद को सुमित बताते हुए कहा कि उसके घर से करीब पांच लाख नकद और सोने-चांदी के जेवर चोरी हो गए हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी मायके गई हुई थी और वह अपने भाई के साथ एक शादी समारोह में गया था। उसके माता-पिता घर के भूतल पर सो रहे थे, जबकि वह पहली मंजिल पर रहता है। सुबह लौटने पर उसे चोरी की जानकारी हुई। पुलिस की गहन जांच के दौरान घर में रखे नकली सोने-चांदी के जेवर मिलने से मामला संदिग्ध हो गया। जांच में यह भी सामने आया कि उस पर कर्ज का भारी दबाव था और इसी से बचने के लिए उसने चोरी की झूठी कहानी गढ़ी थी। जांच अधिकारी एएसआई युद्धवीर सिंह ने बताया कि पुलिस को झूठी सूचना देने और जांच को गुमराह करने के आरोप में सुमित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किसान के घर में चलाई गोली

सोनीपत। गांव टिकौला में शनिवार रात किसान के घर में गोली चलाने का मामला सामने आया है। गोली दरवाजे के आर पार होकर दीवार में जा लगी। पशुपालक गांव टिकौला निवासी सहदेव बाल-बाल बच गए। पीड़ित ने पुराने दोस्तों पर हमला करने की आशंका जताकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि नशा करने के चलते युवकों को अपने घेर में आने से रोका था। सहदेव ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि वह खेती-बाड़ी के साथ-साथ पशुपालन का कार्य करते हैं। उनकी गांव जैनपुर निवासी अंशुल और ताजपुर निवासी अंकुर से दोस्ती थी। करीब महीने भर पहले दोनों उसके घेर में बैठे थे। आरोप है कि वह नशा कर रहे थे। जिस पर उन्होंने उन्हें ऐसा करने से मना किया और घेर में आने से रोक दिया था। इसी बात को लेकर दोनों ने उसे गोली मारने की धमकी दी थी। शनिवार रात करीब 9 बजे वह अपने घेर में मौजूद थे। वह लघुशंका के लिए शौचालय गए। तभी अचानक एक गोली दरवाजा चीरते हुए दीवार में जा लगी।

भरत वाटिका में प्राकृतिक खेती समृद्ध किसान सम्मेलन आयोजित

प्राकृतिक खेती पूरी तरह प्रकृति के नियमों पर आधारित कम खर्चीली और दीर्घकालिक रूप से लाभकारी: देवव्रत

खरखौदा। प्राकृतिक खेती को प्रत्येक किसान व खेत तक पहुंचाने के लिए खरखौदा स्थित भरत वाटिका में प्राकृतिक खेती समृद्ध किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राकृतिक खेती पर आधारित इस किसान सम्मेलन गुजरात व महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती पूरी तरह प्रकृति के नियमों पर आधारित, कम खर्चीली और दीर्घकालिक रूप से लाभकारी है। प्राकृतिक खेती का मूल आधार देसी गाय है। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों के साथ बताया कि देसी गाय के गोबर और गोमूत्र में करोड़ों की संख्या में लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु होते हैं, जो मिट्टी को पुनः जीवंत कर देते हैं।

बड़ौली भी रहे मौजूद

किसान सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहले ही 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने की गारंटी देकर किसानों को मजबूत आधार दिया है। इस दौरान विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों को नई ऊर्जा देने और धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि वे यहां विधायक के रूप में नहीं, बल्कि एक किसान के बेटे, भाई और सेवक के रूप में उपस्थित हैं।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किसान दम्पति को सम्मानित किया

राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती में सबसे उपयोगी जीवामृत की विधि समझाते हुए बताया कि देसी गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, दाल के बेसन और खेत की मिट्टी से तैयार जीवामृत खेत में डालने से सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या तेजी से बढ़ती है। ये सूक्ष्म जीवाणु पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व तैयार करते हैं, केंचुओं की संख्या बढ़ाते हैं और मिट्टी की जलधारण क्षमता में सुधार करते हैं। इससे भूमि दोबारा उपजाऊ बनती है, पैदावार बढ़ती है और खेती टिकाऊ बनती है। इस मौके पर जिला प्रभारी सतीश नांदल, आजाद भौरिया, सोमबीर आर्य, नरेश दहिया, शक्ति ठेकेदार, स्नेहलता, सोनिया अग्रवाल, राजू नंबरदार, सतप्रकाश नंबरदार, ओमप्रकाश दहिया, उत्सव दहिया, सरपंच आशीष, नरेन्द्र एडवोकेट और किसान मौजूद रहे।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।
-हरिवंश राय बच्चन

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

कहानी
संगीता बैनीवाल

मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

कविता
सपना

एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

कविता
मनीषा मंजरी

प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

लघु कथा
डा. मधुकांत

एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

खबर संक्षेप

सोनीपत। मुरथल रोड स्थित कार्यालय में बार एसोसिएशन के प्रधान सोनू भारद्वाज का सम्मान करते ब्राह्मण उत्थान समिति के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समिति ने सोनू का पटका पहनाकर किया सम्मान

सोनीपत। ब्राह्मण उत्थान समिति की ओर से मुरथल रोड स्थित कार्यालय में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने सोनीपत बार एसोसिएशन का प्रधान बनने सोनू भारद्वाज का स्वागत किया। ब्राह्मण उत्थान समिति के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ सोनू भारद्वाज को पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर उनका सम्मान किया।

खरखौदा। जनसंपर्क अभियान चलाते इनेलो नेता। फोटो : हरिभूमि

बुढ़ापा पेंशन काटे जाने के मुद्दे पर प्रदर्शन 20 को

खरखौदा। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी बुढ़ापा पेंशन नहीं कटने देगी। इस मुद्दे को लेकर 20 फरवरी को पंचकूला में प्रदेश स्तरीय का प्रदर्शन होगा जिसकी अगवाई चौधरी अभय सिंह चौटाला करेंगे। हलका अध्यक्ष बलवान नंबरदार के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र कई गांवों में जनसंपर्क कर निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा अगर सरकार ने एक भी पेंशन कटी तो सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। चौधरी देवीलाल ने बुढ़ापा पेंशन सम्मान के रूप में बनाई थी, लेकिन बीजेपी सरकार ने आय से जोड़ दी है।

हवाई फायर करने के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। थाना सदर सोनीपत की पुलिस टीम ने हवाई फायर की घटना संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रविन्द्र उर्फ भोलु व सुनील दोनो निवासी गांव भठगांव सोनीपत के रहने वाले है। पुलिस के अनुसार 6 फरवरी को देवेन्द्र भठगांव सोनीपत ने थाना सदर सोनीपत में शिकायत दी कि वह मकान पर सपरिवार मौजूद था। रात 10 रात बजे मकान के सामने गोली चलने की आवाज सुनाई दी।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में स्कॉलरशिप बेबी शो

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में

स्कॉलरशिप टेस्ट व बेबी शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 150 से ज्यादा बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास करना, उनकी छिपी हुई प्रतिभा को पहचान देना तथा प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करना था।

सोनीपत। प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान करते समिति के सदस्य।

प्रभातफेरी निकाल बताई हरिनाम की महिमा

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति ने रविवार को वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया। प्रभातफेरी रामसेवक दास के आवास से प्रारंभ होकर रामनगर की विभिन्न गलियों से होते हुए जाट स्कूल मार्केट स्थित ईश्वर चंद्र गौड़ की दुकान पर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी का स्वागत किया। रघु कुमार दास ने श्रद्धालुओं को हरिनाम की महिमा के बारे में बताया। प्रभातफेरी के दौरान इस्कॉन प्रचार समिति ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

यूनिक क्रिकेट टीम ने गनौर लीजेंड्स को सात विकेट से किया पराजित

शेखपुरा में दीक्षा नर्सिंग क्रिकेट कप का उद्घाटन मैच खेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

यूनिक क्रिकेट स्टेडियम शेखपुरा में रविवार को दीक्षा नर्सिंग क्रिकेट कप का उद्घाटन मैच खेला गया। उद्घाटन मुकाबला अजय गोयल की कप्तानी वाली यूनिक क्रिकेट टीम और दिनेश धनखड़ की गनौर लीजेंड्स टीम के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में यूनिक क्रिकेट टीम ने एकतरफा खेल का प्रदर्शन करते हुए गनौर लीजेंड्स को 7 विकेट से पराजित कर जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गनौर लीजेंड्स की टीम 21.3 ओवर में 146 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से प्रवीण ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। यूनिक क्रिकेट टीम की गेंदबाजी बेहद प्रभावशाली रही। दीपक मलिक, रविंद्र मास्टर, लोकेश डीपी, प्रदीप कादियान, नवीन पंघाल, सतपाल, ललित त्यागी, अजय डीपी, अनूप इंदौरा, धर्मेंद्र सहित अनेक खेल प्रेमी व गणमान्य उपस्थित रहे।

- यूनिक क्रिकेट टीम की गेंदबाजी प्रभावशाली रही

गन्नौर। यूनिक क्रिकेट स्टेडियम के चेयरमैन दीपक गोयल व संदीप शर्मा ने शुभारंभ करते हुए।

सुरेश को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से सम्मानित किया

दीपक बेस्ट बॉलर बने

मास्टर सुरेश पंघाल, दीपक त्यागी और बाबूलाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट अपने नाम किए, जिससे गनौर लीजेंड्स की पारी दबाव में आ गई। कप्तान अजय गोयल ने 31 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि विजय राणा ने 34 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर बनाए रखा। यूनिक टीम ने 19.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 150 रन बनाते मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच में तीन शानदार कैच और दो विकेट लेने वाले सुरेश पंघाल को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। वहीं प्रवीण गामड़ा को बेस्ट बैट्समैन और दीपक त्यागी को बेस्ट बॉलर चुना गया। इससे पूर्व यूनिक स्टेडियम के चेयरमैन दीपक गोयल और दीक्षा नर्सिंग अकादमी (गोहना) के ओनर संदीप ने टूर्नामेंट की ट्रॉफी का अनावरण कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया।

सोनीपत। श्रीजी विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ भाजपा नेता एवं अन्य।

किताबी ज्ञान के साथ संस्कार व अनुशासन आवश्यक : जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

निवर्तमान नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ शिक्षा में संस्कार एवं अनुशासन का समावेश होना चाहिए तभी युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होगा और वह अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। राजीव जैन रविवार को होली फेथ स्कूल एवं श्रीजी विद्यापीठ के वार्षिक उत्सव में मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरण के बाद छात्र–छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का युवा भविष्य का ऐसा नागरिक बनना चाहिए कि विदेश में भी जाये तो उसमें भारतीयता की झलक दिखाई दे। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य के प्रति समर्पण, मेहनत, धैर्य एवं अनुशासन होना चाहिए। जैन ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा के दौरान बच्चे कुम्हार कि कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं और अध्यापक उन्हें जैसा घढ़ना चाहे वैसे ही बना सकता है। उन्होंने बच्चों से भी कहा कि वह भी गुरु शिक्षा परंपरा का पालन करें तभी सही ज्ञान प्राप्त होगा। कार्यक्रमों में बच्चों ने देश भक्ति एवं संस्कृति से ओत प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर हरिकिशन लावनिया, दीपक डुडेजा, दीपक शर्मा, संजीव अग्रवाल, एस के शर्मा, नीरज शर्मा, पवन दुग्गल, सुरेंद्र मदान, पूर्व मंत्री अनिल ठक्कर, सुधीर मलिक, सत्यवीर शास्त्री, आदित्य रोहिल्ला, जयवीर गहलावत एवं स्कूल स्टाफ सदस्य आदि उपस्थित रहे।

- वार्षिक उत्सव में मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरण किए

उन्नति के लिए मन को वश में रखना जरूरी : ओमप्रकाश

- गोहाना में गुढ़ा मार्ग स्थित आर्य समाज मंदिर में मासिक वैदिक सत्संग समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

आर्य समाज गोहाना मंडी इकाई का मासिक वैदिक सत्संग समारोह रविवार को शहर में गुढ़ा मार्ग स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ हवन के साथ हुआ। हवन में इकाई के सदस्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डाली। सत्संग समारोह की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष धर्मपाल आर्य ने की। मुख्य वक्ता पानीपत से वैदिक विद्वार आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि जीवन में उन्नति करने के लिए मन को वश में रखना अति आवश्यक है। मन की चंचलता को सत्संग से दूर किया जा सकता है। इसके लिए अभ्यास और वैराग्य होना चाहिए। वेद कहते हैं कि हमारा मन शिव संकल्प वाला होना चाहिए। जीवन को जीना है तो मन संकल्पशील होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्संग के माध्यम से चरित्र, सदाचार और संयम जैसे गुणों का विकास होता है। इस अवसर पर मास्टर प्रदीप आर्य, मास्टर नसीब आर्य, मास्टर अजीत आर्य, राजदेव आर्य, सत्य नारायण आर्य, अनिल सांगवान, एडवोकेट इंद्र सिंह, जयपाल आर्य, एसडीओ संदीप आर्य, नरेश आर्य और मनजीत आर्य उपस्थित रहे।

गोहाना। समारोह में प्रवचन करते हुए वैदिक आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

लक्ष्य मलिक को मिस्टर व छात्रा लक्षिता को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा

- बीआर . ग्लोबल स्कूल में बारहवीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

खेड़ी रोड स्थित बी.आर. ग्लोबल विद्यालय में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा अपने वरिष्ठ साथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प देकर स्वागत करने के साथ हुआ।

कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने कविताओं, भाषणों और अपने अनुभवों के माध्यम से विद्यालय से जुड़ी यादों को साझा किया। विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में बिताया गया समय उनके जीवन का अमूल्य हिस्सा रहेगा। इसके पश्चात आयोजित गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए जमकर मस्ती की। रैंप वॉक कार्यक्रम ने समारोह में विशेष आकर्षण जोड़ा, जिसमें विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास और सृजनात्मकता का परिचय दिया। समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर लक्ष्य मलिक को मिस्टर फेयरवेल तथा लक्षिता को मिस फेयरवेल का खिताब प्रदान किया गया।

वहीं शिवम को मिस्टर बी.आर. ग्लोबल स्कूल और रेणु को मिस बी.आर. ग्लोबल स्कूल घोषित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, उप प्रधानाचार्या मंजू सहरावत एवं अन्य शिक्षकों ने कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

गन्नौर। चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल मिस्टर फेयरवेल तथा लक्षिता को मिस फेयरवेल का खिताब प्राप्त छात्रों के साथ। फोटो : हरिभूमि

राई। विश्व हिंदू सम्मेलन को प्रमुख वक्ता डॉ. मनोज राय व स्वामी दयानंद सरस्वती संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुरथल में विराट हिंदू सम्मेलन सम्पन्न संतों ने एकता-संस्कारों का दिया संदेश

राई। मुरथल गांव में रविवार को विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन मुरथल मंडल के गांव नादहौर, मेहंदीपुर, गढ़ी बख्तावरपुर, हसनपुर, धतूरी, कामी सहित अन्य गांवों के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी रही, जिससे सामाजिक समरसता और एकता का संदेश मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुआ, जिसमें करीब 500 माताओं-बहनों ने भाग लिया। इसके पश्चात स्वामी दयानंद सरस्वती ने दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि हिंदू समाज की शक्ति उसकी संस्कृति, संस्कार और संगठन में निहित है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी परंपराओं को समझें और समाज को एकजुट रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। सम्मेलन में आरएसएस के जिला संघ चालक व प्रमुख वक्ता डॉ. मनोज राय ने हिंदू समाज में कुटुंब प्रबोधन विषय पर विचार रखते हुए कहा कि मजबूत परिवार ही सशक्त समाज और राष्ट्र की नींव होते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में पारिवारिक संस्कारों को पुनः जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान राजकीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा कृष्ण-अर्जुन संवाद, आर्य वीर दल द्वारा तलवारबाजी तथा बाल कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

- मजबूत परिवार ही सशक्त समाज और राष्ट्र की नींव : डॉ. राय

संगठन को मजबूत करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में रविवार को अनेक स्थानों पर विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। खानपुर, दतौली, सोनीपत, मुरथल, गनौर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रदीप विभाग प्रचारक और भारत आर्य रहे। अपने संबोधन में वक्ताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिंदू समाज को एकजुट होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वक्ताओं ने हिंदू समाज से सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समय की आवश्यकता है कि सभी मिलकर अपने समाज के उत्थान और राष्ट्र के विकास के लिए कार्य करें। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ और उपस्थित जनसमूह ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथिगण।

ढोल-नगाड़ों के साथ सम्मेलन में पहुंची महिलाएं

खरखौदा। धार्मिक दृष्टि से गठित सैदपुर मंडल के गांव कुंडल में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया । जिसमें गाँव झिंझोली, हलालपुर, कुण्डल, रामपुर , गढ़ी, फिरोजपुर, सोहटी, सैदपुर, जटोला से सम्बद्ध समाजसेवी, शिक्षाविद, व्यापारी वर्ग, किसान, युवा, महिलाएं व बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कलश यात्रा के साथ लगभग 150 महिलाओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ हिन्दू सम्मेलन में भाग लिया। साथ ही आर्य समाज, प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्विद्यालय के कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। हिन्दू सम्मेलन में अनेकानेक लोग उपस्थित रहे। हिन्दू समाज एवं युवा साथियों को जागरूक करने व जात-पात की करो विदाई हम सब हिन्दू भाई-भाई, के उद्देश्य को लेकर हिन्दू सम्मेलन किये जा रहे हैं। समाज में सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुरीतियों का उन्मूलन, संस्कृति एवं नैतिक कर्तव्यों के विषय में विचार रखे गए। कार्यक्रम में संरक्षक श्री श्री सूर्यनाथ जी महाराज, अध्यक्ष मास्टर प्रेम सिंह, संयोजक जयकरण सैदपुर, मंजीत निजामपुर खुर्द आदि मौजूद रहे।

गौड़ संस्था के नए वोटों को मिली मंजूरी : कौशिक

गोहाना। हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों की गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा से जुड़े संस्थानों के नए वोटों को सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही पिछले 12 साल से रूके कार्यकारिणी के चुनाव का रास्ता भी साफ हो गया है। गौड़ विद्या प्रचारिणी सभा के सदस्य कुलदीप कौशिक ने कहा कि सरकार ने हरियाणा पंजीकरण एवं विनियमन सोसाइटी अधिनियम, 2012 की धारा 85 के तहत आवश्यक अनुमति एवम छूट प्रदान करते हुए सदस्यता ग्रहण की स्वीकृति दे दी है। वर्तमान में संस्था के 33107 सदस्य हैं। अब नए वोट का रास्ता साफ हो गया है। इसके बाद ही अब चुनाव हो सकेगा। इसके लिए गौड़ विद्या प्रचारिणी सभा मुख्यमंत्री नायब सैनी और कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा का आभार करती है। उनके अनुसार सभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए।

गन्नौर। भव्य पैदल शोभायात्रा में विधायक देवेंद्र कादियान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ। फोटो : हरिभूमि

पुरखास से 13 किमी पैदल चलकर चुलकाना धाम पहुंचे श्याम प्रेमी

गन्नौर। फाल्गुन माह की शुरुआत के साथ ही गन्नौर में श्याम भक्ति की लहर तेज हो गई है। रविवार को श्री श्याम सेवा समिति, पुरखास द्वारा आयोजित 5वीं भव्य पैदल शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में भाग लेने वाले भक्त हाथों में रंग-बिरंगे निशान लिए, डीजे पर बजते भजनों की धुन पर झूमते हुए करीब 13 किलोमीटर की दूरी तय कर चुलकाना धाम पहुंचे।

गोहाना। भाजपा जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक को ज्ञापन सौंपते हुकटा प्रतिनिधि।

अनुबंधित शिक्षकों ने नौकरी सुरक्षा विधेयक लाने की मांग उठाई

गोहाना। हरियाणा विश्वविद्यालय अनुबंधित शिक्षक संघ एसोसिएशन (हुकटा) ने विश्वविद्यालयों में कार्यरत करीब 1,400 अनुबंधित शिक्षकों की नौकरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बजट सत्र में विधेयक लाने की मांग की। हुकटा के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक और कैबिनेट मंत्री एवं गोहाना विधायक डा. अरविंद शर्मा के निजी सचिव अमित से मिलकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। हुकटा के प्रदेशाध्यक्ष डा. विजय मलिक ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधीन विश्वविद्यालयों से अनुबंधित शिक्षकों के संबंध में सूचना पहले ही एकत्र की जा चुकी है लेकिन उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा दिसंबर 2025 में अन्य छह विभागों के अधीन विश्वविद्यालयों से मांगी गई जानकारी नहीं दी गई है।

गोहाना। गुरु एवं शिष्यों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाते हुए योग सहायक।

गुरु-शिष्यों को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

गोहाना। गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुरु और शिष्यों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। अध्यक्षता संस्थान के एमडी विकास मलिक ने की। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. राम अवतार के नेतृत्व एवं जिला योग को-ऑर्डिनेटर डॉ. विनोद, योग विशेषज्ञ डॉ. संगीता व नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र की देखरेख में सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में शिक्षक एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया जा रहा है।

सोनीपत। प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान करते समिति के सदस्य।

प्रभातफेरी निकाल बताई हरिनाम की महिमा

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति ने रविवार को वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया। प्रभातफेरी रामसेवक दास के आवास से प्रारंभ होकर रामनगर की विभिन्न गलियों से होते हुए जाट स्कूल मार्केट स्थित ईश्वर चंद्र गौड़ की दुकान पर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी का स्वागत किया। रघु कुमार दास ने श्रद्धालुओं को हरिनाम की महिमा के बारे में बताया। प्रभातफेरी के दौरान इस्कॉन प्रचार समिति ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

कार्यक्रम चिराग गार्डन में सुखी जीवन का आधार-श्रेष्ठ विचार विषय पर आध्यात्मिक महोत्सव

राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से सोई आत्मिक शक्तियां होगी जागृत : अदिति दीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय गन्नौर द्वारा महाशिवरात्रि एवं 90वीं त्रिमूर्ति जयंती के उपलक्ष्य में चिराग गार्डन में सुखी जीवन का आधार-श्रेष्ठ विचार विषय पर आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कादियान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि माउंट आबू से आई राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता अदिति दीदी ने कहा कि वर्तमान में नकारात्मकता का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर अपना मानसिक संतुलन खोल बैठता है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से हम अपनी सोई हुई आत्मिक शक्तियों को जागृत कर सकते है और हमारे भीतर सहनशीलता, धैर्य और निस्वार्थ प्रेम जैसे दिव्य गुणों का संचार होने लगता है।

गन्नौर। मुख्यातिथि विधायक देवेंद्र कादियान महाशिवरात्रि एवं 90वीं त्रिमूर्ति जयंती समारोह में ध्वजा फहराते । फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि आज के भागदौड़ भरे युग में मनुष्य अपनी आंतरिक शांति और सुकून कहीं पीछे छोड़ आया है। ऐसे समय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया जा रहा यह प्रयास किसी वरदान से कम नहीं है। कार्यक्रम समापन पर राजयोग का सामूहिक अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर गन्नौर संस्थान संचालिका बीके अर्चना दीदी, मुरथल विश्वकल्याण सरोवर से बीके राजीव, बीके सतीश, सोनीपत से बीके रामदेवी दीदी, समाजसेवी अंकित मल्होत्रा, पार्षद दिनेश अदलखा, रामेश्वर, पार्षद अजय सरोहा, संदीप सिंघल आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

यूजीसी कानून को लेकर 17 को करेंगे प्रदर्शन

गोहाना। पिछड़ा एवं अनुसूचित समाज की रविवार को गोहाना में गुढा रोड स्थित बैकवर्ड भवन में बैठक हुई। अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि ओमप्रकाश मेहरा ने की और संयोजन समाज के वयोवृद्ध नेता महासिंह पटवा का रहा। मंच का संचालन सुभाष चन्द्र ने किया। मुख्य पिछड़ा वर्ग अधिकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक महेन्द्र पांचाल ने कहा कि पिछले दिनों जीएमइआर मेडीकल कालेज गुजरात में एक अनुसूचित समाज के छात्र अनिल मेथानिया की उत्पीडऩ के चलते मौत हो गई थी। इससे पहले भी समाज के कई विद्यार्थियों का उत्पीड़न किया गया। फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय ने इस बिल पर अस्थाई रोक लगाई है। बिल को लागू करवाने के लिए समाज के लोग 17 फरवरी को गोहाना में वाल्मीकि आश्रम में एकत्रित होंगे।

15 वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

सोनीपत। कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 15 में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में रविवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रेम रेलन ने की, मुख्य अथिति के रूप में पूर्व विधायक सुरेन्दर पंवार ने शिरकत की। सभा का प्रारम्भ गायत्री मन्त्र से किया गया, जिसके उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। ओम प्रकाश मुंजाल ने मुख्य अतिथि के सम्मान में एक स्वागत गीत गाया, तत्पश्चात 15 वरिष्ठ नागरिक जिनका जन्म जनवरी में हुआ उनको पुष्पकुंज व अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया।

भूतपूर्व सैनिक संगठन की मासिक बैठक

गन्नौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन गन्नौर की मासिक बैठक केडी नगर स्थित हाल में नायक सूबेदार ओमप्रकाश मलिक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन कैप्टन सतवीर सिंह दहिया ने किया। बैठक में सबसे पहले संगठन को प्राप्त शिकायतों पर चर्चा की गई और उनके समाधान को लेकर मंथन हुआ। सदस्यों को बताया गया कि संगठन की ओर से जीओसी अंबाला को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा गया है, ताकि लंबित समस्याओं के समाधान पर प्रत्यक्ष बातचीत की जा सके।भूतपूर्व सैनिकों को मिलने वाली कैंटीन तथा ईसीएचएस सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति ने कालूपुर में की अहम बैठक

प्रॉपर्टी टैक्स के खिलाफ गांवों की हुंकार, निगम नीति पर उठे सवाल

- ग्रामीणों का आरोप, निगम में शामिल कर बढ़ाया बेवजह टैक्स का बोझ
- 15 फरवरी को फाजिलपुर में अगली रणनीति तय करने का लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों के ग्रामीणों ने प्रॉपर्टी टैक्स के खिलाफ एकजुट होने का निर्णय लिया है। नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति ने रविवार को गांव कालूपुर में बैठक कर गांवों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ करवाने की योजना पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महासिंह नंबरदार ने की। ग्रामीणों ने आरोप है कि नगर निगम में शामिल कर उनसे पैसा हड़पा जा रहा है। पंचायती जमीन को निगम में शामिल कर लिया गया है, इसके बदले अब ग्रामीणों पर भरकम प्रॉपर्टी टैक्स थोपा जा रहा है। समिति ने 15 फरवरी को गांव फाजिलपुर के मंदिर में सुबह 11 बजे अगली बैठक करने का निर्णय लिया। नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति की बैठक का उद्देश्य निगम में शामिल गांवों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ करने का सार्वजनिक नोटिफिकेशन जारी करवाना रहा। साथ ही निगम में शामिल किए गए गांवों की समस्याओं का समाधान करवाना है। समिति के अध्यक्ष महासिंह नंबरदार, कर्मवीर नंबरदार, महेंद्र सरोहा, प्रधान पवन खत्री, ओमप्रकाश हुड्डा, जयभगवान राणा, रोहताश राणा, राजकुमार राणा, अत्तर सिंह, सतीश, जयवीर हुड्डा ने बताया कि नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति काफी समय से प्रॉपर्टी टैक्स माफ करवाने के लिए संघर्ष करती आ रही है। इसके बावजूद केवल आश्वासन ही उनके हाथ लगे हैं। जब समिति ने अपनी मांगों को लेकर अग्रसेन चौक पर धरना शुरू किया तो तत्कालीन सांसद रमेश कौशिक व उपायुक्त ने उनकी मांगों को स्वीकार करते हुए धरना समाप्त करवाया था। सभी मांगों के स्वीकार किए जाने के बाद ही ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया था, लेकिन आज तक निगम में शामिल किए गए गांवों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ नहीं किया गया है।

आरोप : धरना दिया तो एक तरफ के गांव किए निगम से बाहर

समिति पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सोनीपत नगर निगम के गठन के दौरान करीब 24 गांवों को इसमें शामिल किया गया था। इसके विरोध में सभी गांवों के लोगों ने आंदोलन शुरू कर कई दिनों तक अग्रसेन चौक पर धरना देकर प्रदर्शन किया था। इस जिसके फलस्वरूप जीटी रोड से एक तरफ के गांव नगर निगम से बाहर कर दिए गए, जबकि दूसरी तरफ के गांवों को निगम में शामिल रखा गया। इनमें राठधना, जाट जोशी, लिवान, राई, लिवासपुर, जगदीशपुर, फाजिलपुर, गढ़ शहजानपुर, रायपुर, रेवली, शाहपुर तुर्क, देवडू व शामबाद शामिल हैं।

आश्वासन के वितरीत हो रहे कार्य

धरने के बाद ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया था कि निगम से बाहर किए गए सभी गांवों की पंचायती जमीन व पैसा उनकी पंचायत में वापस जमा करवा दिया जाएगा। इसके अलावा जो गांव निगम में शामिल किए गए हैं, उन पर किसी भी तरह का कोई टैक्स नहीं लगाया जाएगा। उनकी सहमति से ही गांवों की जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा। पैसा भी उनके गांव के विकास पर ही खर्च होगा। वहीं आज इसके विपरीत कार्य किए जा रहे हैं। *-महासिंह नंबरदार, समिति अध्यक्ष, गांव कालूपुर*

सरकार की ओर से नहीं आया कोई नोटिस

नगर निगम की हाउस की बैठक में उपरोक्त सभी गांवों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ करवाने के लिए प्रस्ताव पास किया जा चुका है, लेकिन अभी तक प्रॉपर्टी टैक्स माफी का कोई सार्वजनिक नोटिफिकेशन निगम प्रशासन व सरकार की ओर से जारी नहीं किया गया है। नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति की सरकार व प्रशासन से मांग है कि उपरोक्त सभी गांवों का प्रोपर्टी टैक्स माफ करवाने का सार्वजनिक नोटिफिकेशन जारी करवाया जाए। *-राजकुमार राणा, गांव फाजिलपुर*

जल्द की उपायुक्त और आयुक्त को ज्ञापन देंगे

नगर निगम सर्व टैक्स विरोध समिति की ओर से जनहित व गांवों के लोगों की भलाई के लिए हमेशा संघर्ष किया जाएगा। बहुत जल्द उपरोक्त मांगों को लेकर उपायुक्त व नगर निगम के आयुक्त को ज्ञापन देंगे। नगर निगम में शामिल किए गए गांवों का काफी पैसा व पंचायती जमीन निगम में शामिल कर ली गई है। इसके बदले गांवों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर भारी भरकम प्रॉपर्टी टैक्स मढ़ दिए गए हैं। *-पवन खत्री, समिति प्रधान, गांव रायपुर*

वर्ष 2023 में मिली थी वैधता

3 साल से विकास को तरसी श्रीराम कॉलोनी

सोनीपत। सोनीपत के गांव नाहरी स्थित श्रीराम कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं मुहैया न कराए जाने पर रोष जताते लोग।

- कॉलोनी वासियों ने सर्वजन हिताय मानव उत्थान एवं कॉलोनी विकास समिति के नेतृत्व में बैठक कर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव नाहरी स्थित श्रीराम कॉलोनी में वैधता मिलने के 3 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। गांव नाहरी में वर्ष 2013 से श्रीराम कॉलोनी को विकसित किया जा रहा है। करीब 10 साल बाद वर्ष 2023 में सरकार ने कॉलोनी को नियमित कॉलोनी की सूची में शामिल किया था, लेकिन आज भी कॉलोनी वासी यहां मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। ऐसे में कॉलोनी वासियों ने रविवार को सर्वजन हिताय मानव उत्थान एवं कॉलोनी विकास समिति के नेतृत्व में बैठक कर संबंधित विकास कार्यों पर चर्चा की। साथ ही मूलभूत सुविधाएं मुहैया न कराए जाने पर सरकार व प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। बैठक में अध्यक्ष रामनारायण, चमनलाल मिश्रा, रीमा, अंजू, सुप्रीति, प्रियंका, अनीता, सपना, कमला ने बताया कि श्रीराम कॉलोनी में सीवर लाइन, पेयजल लाइन व बेहतर बिजली व्यवस्था के लिए कोई उचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। वर्ष 2023 सरकार ने श्रीराम कॉलोनी को नियमित कॉलोनी की सूची में शामिल किया था। इसके बावजूद उनकी कॉलोनी में आज तक विकास के नाम पर एक ईंट नहीं लग पाई है। बारिश के मौसम में कॉलोनी की गलियों में जलभराव व कीचड़ की स्थिति बनने से लोगों का आवागमन रूक जाता है। मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने की मांग को लेकर कॉलोनी वासी कई बार जिला प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। इसके बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कॉलोनी में एक-एक खंभे पर 20 से 30 मीटर लगे हुए हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट होकर कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य क्षेत्र अब सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) के कार्यक्षेत्र के अधीन है। कॉलोनी वासियों ने सरकार व प्रशासन से मांग की, कि उनके क्षेत्र में सीवर-पेयजल लाइन व बेहतर बिजली की व्यवस्था संबंधी विकास कार्य जल्द करवाए जाएं।

ईमानदार उम्मीदवारों को मौका मिलेगा : दिवान

- कांग्रेस ने शुरू किया जन-संवाद अभियान, वार्डों में जाकर लिया जा रहा लोगों से फीडबैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और जनता की पसंद जानने के लिए कांग्रेस जिला अध्यक्षों ने मोर्चा संभाल लिया है। रविवार को शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया व पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने संयुक्त रूप से वार्डों और गांवों का दौरा कर कार्यकर्ताओं व आमजन से सीधा संवाद किया। दोनों जिला अध्यक्षों ने वार्ड नंबर 16 के इंडस्ट्रियल एरिया, जगदीशपुर, पटेल नगर और वार्ड नंबर 2 के कोट मोहल्ला में पहुंचकर स्थानीय लोगों से चर्चा की। इस दौरान टिकट वितरण को लेकर लोगों के सुझाव लिए गए और भावी उम्मीदवारों की छवि को लेकर फीडबैक जुटाया गया। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि पार्टी इस बार केवल जीतने वाले ही नहीं, बल्कि साफ-सुथरी और ईमानदार छवि वाले उम्मीदवारों को ही मौका देगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य राजनीति में सेवा भाव रखने वाले लोगों को आगे लाना है।

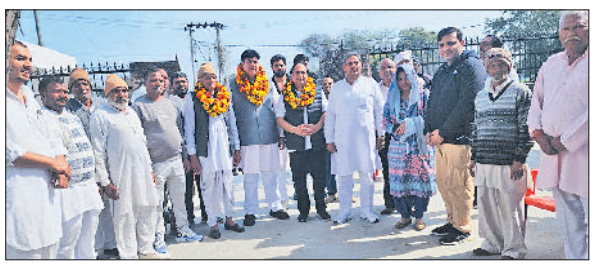

महलाना में नन्ही परी को दिया आशीर्वाद

कांग्रेस जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने गांव महलाना का दौरा किया। यहां वे पार्टी कार्यकर्ता रोहित बालयान के आवास पर आयोजित नामकरण कार्यक्रम में शामिल हुए। रोहित बालयान के घर बेटी के जन्म पर आयोजित इस खुशी के अवसर पर कमल दिवान ने नन्ही परी को अपना स्नेहपूर्ण आशीर्वाद दिया और परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को सूर्यनमस्कार का कराया अभ्यास

- राजकीय आईटीआई गन्नौर में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राजकीय आईटीआई गन्नौर में सूर्यनमस्कार अभियान के तहत योग कार्यक्रम आयुष विभाग व योग आयोग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गन्नौर में सूर्यनमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग शिक्षक जीत राम, अमन कुमार, संदीप कुमार एवं रीना ने विद्यार्थियों को सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराया। संस्थान के प्रधानाचार्य पुरुषोत्तम ने विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि योग से शरीर और मन दोनों स्वस्थ एवं ऊर्जावान रहते हैं। नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति अनुशासित जीवन जी सकता है। अभ्यास के उपरांत योग सहायक अमन कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय सूर्यनमस्कार अभियान का समापन खानपुर गुरुकुल में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सोनीपत जिले के सभी योग सहायक विभिन्न शिक्षण संस्थानों में निरंतर प्रशिक्षण दे रहे हैं। अभियान हरियाणा सरकार द्वारा जन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

द स्टैनफोर्ड स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा करवाई

खरखौदा। द स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सहभागिता के लिए सरकारी व निजी विद्यालयों से विद्यार्थी पहुंचे। उक्त परीक्षा कक्षा तीसरी से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के बीच आयोजित करवाई गई । जिसमें गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी व सामान्य ज्ञान विषय के प्रश्न पूछे गए थे। इसका उद्देश्य छात्रों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच व प्रतिस्पर्धा योग्यता का मूल्यांकन करना था। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन उत्सव दहिया ने विद्यार्थियों को बताया कि किस तरह से वह एनडीए, एक्स, आईआईटी, एनआईआईटी में अपना चयन करा सकते हैं। जिसके लिए संस्कारम समूह जाना जाता है। छात्रवृत्ति परीक्षा संपन्न होने के बाद विद्यालय निर्देशिका पूजा दहिया ने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग के विद्यार्थी भी अच्छे संस्थान से अनुभवी अध्यापकों के मार्गदर्शन में पढ़ने का मौका पा सकेंगे। केवल छात्रवृत्ति ही नहीं, बल्कि प्रतिभा संपन्न विद्यार्थियों को बिना शुल्क के भी पढ़ने का मौका मिलेगा।

लैंगिक संवेदनशीलता की दी जानकारी

सोनीपत। डीएवी मल्टीपरपज पब्लिक स्कूल में शनिवार को रीजनल ऑफिसर जॉयल व प्राचार्य वीके मित्तल के नेतृत्व में सीबीएसई द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता पर आधारित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में नवयुग स्कूल की प्राचार्या निशा कुमारी एवं जानकीदास कपूर स्कूल की मनोविज्ञान शिक्षिका शैला गोयल ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपनी भूमिका निभाई। सर्वप्रथम प्राचार्य ने कार्यशाला में आये विषय विशेषज्ञों का स्वागत किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को लैंगिक समानता, संवेदनशीलता तथा कक्षा में समावेशी वातावरण के निर्माण के प्रति जागरूक करना था। प्रथम सत्र में 'जेंडर कंस्ट्रक्ट' विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षकों की जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियां कराई गई।

'मोबाइल की लत' पर नाटक की प्रस्तुति

- ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

मोबाइल फोन की लत जीवन की बर्बादी है। युवाओं को मोबाइल की लत में न पडक़र केवल काम से ही इसका उपयोग करना चाहिए। नाटक के माध्यम से यह संदेश गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने दिया। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी अनिल मलिक ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की। एमडी अनिल मलिक ने कहा कि युवाओं और बच्चों में मोबाइल की लत एक गंभीर समस्या है। यह लत नींद की कमी, मानसिक तनाव, एकाग्रता में गिरावट और शारीरिक समस्याओं का कारण बन जीवन को बर्बाद कर देती है। यह लत सामाजिक अलगाव और रिश्तों में दरार का भी एक प्रमुख कारण है। कार्यक्रम की शुरूआत हवन और मंत्रोच्चारण से हुई। कार्यक्रम में कक्षा पहली से कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने मोबाइल की लत विषय पर जागरूकता संदेश देने के लिए नाटक की प्रस्तुति दी। श्रेया और पलक ने हिंदुत्व और राष्ट्रभक्ति पर ओजस्वी भाषण की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। छात्राओं ने भाषण से सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का पाठ पढ़ाया।

गोहाना। कार्यक्रम के शुभारंभ पर हवन में आहुतियां डालते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बजट से खुलेंगे विकास के नए द्वार : परमवीर

गोहाना। भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं पूर्व जिला महामंत्री परमवीर सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट से विकास के नए द्वार खुलेंगे और देश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। परमवीर सैनी ने कहा कि आम बजट में केंद्र सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ख्याल रखा गया है। बजट में महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना के माध्यम से खादी, हथकरघा व हस्तशिल्प क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और देश के मेहनतकश तबके को फायदा मिलेगा। इस क्षेत्र में भारत को विश्व में नई पहचान मिलेगी। परमवीर सैनी ने कहा कि उद्यमियों से लेकर मध्यम उद्यमियों को मजबूती प्रदान करने के लिए एमएसएमई में ग्रोथ फंड का आबंटन किया जाएगा। सरकार द्वारा ग्रामीण व शहरी इलाकों में राज्यों को बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए डेढ़ लाख करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विकास को रफ्तार मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

बुढ़ापा पेंशन काटने के खिलाफ 14 को होगा विरोध प्रदर्शन : दीपेन्द्र हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने ऐलान किया कि आगामी 14 फरवरी को प्रदेश में बुढ़ापा पेंशन काटने के खिलाफ सोनीपत में बडा विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यंत्र-तंत्र और षड़यंत्र के तहत जनभावनाओं की चोरी करके छल से बनी भाजपा सरकार ने अब बुजुर्गों की पेंशन भी काट दी, जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। हरियाणा में बुजुर्गों की पेंशन काटने के खिलाफ गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव के बाद पहले गरीबों के राशन कार्ड काटे, अब प्रदेश के हर गांव, हर वार्ड में बुजुर्गों की पेंशन काटी जा रही है। बुढ़ापा पेंशन कोई भीख नहीं है, यह बड़े बुजुर्गों का मान-सम्मान है। हम बुजुर्गों के सम्मान पर आंच नहीं आने देंगे। सड़क से लेकर संसद और विधानसभा तक इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। दीपेंद्र हुड्डा रविवार को जिले में कई जगहों पर कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचें थे। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लगभग 4 महीने पहले ही बुढ़ापा पेंशन 200 रुपये बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक वो भी नहीं मिल पाया, क्या ये सिर्फ जुमला था? क्या बुजुर्गों का हक छीन कर हरियाणा सरकार अपनी तिजोरी भरना चाहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उनको पता ही नहीं कि बुजुर्गों की पेंशन कट रही है।

स्थानीय लोगों ने नंदी शाला का किया दौरा

नपा के पकड़वाए गए आवारा कुत्तों के लिए खाने पीने की कोई व्यवस्था नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

नगर पालिका प्रशासन द्वारा आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत क्षेत्र में घूम रहे आवारा कुत्तों को पकड़ कर स्थानीय नंदी शाला में रखा जा रहा है। पकड़े गए कुत्तों की दशा जानने को स्थानीय लोगों ने नंदी शाला का दौरा किया गया। उन्हें पता चला कि नपा द्वारा जिस कंपनी को टेंडर दिया गया था। उस कंपनी द्वारा आवारा कुत्तों को पड़कर कुछ पिंजरे बनाए गए हैं। जिनका साइज भी 3 से 3:30 फुट व तीन से चार फुट के बनाए गए हैं। जिनमें 10 से 12 कुत्तों को एक-एक पिंजरे में रखा गया है। जिन कुत्तों को पकड़ा गया था उनको इंजेक्शन लगाकर उनकी नसबंदी की गई है, ताकि यह आमजन को कोई हानि न पहुंच सके। जब कुत्तों को पकड़े जाने के बाद यह योजना थी कि इन्हें 3 दिन तक अपने पास रखा जाएगा। उसके बाद उनको जहां से पकड़ा गया है, उसी स्थान पर वापस छोड़ दिया जाएगा। कुत्तों को पकड़ तो लिया गया है। लेकिन छोड़ने का नाम नहीं। छोड़ने की बात तो दूर उनको नंदीशाला में कैद करके रखा हुआ है। उनके लिए खाने की व्यवस्था है न पीने के पानी की।

खरखौदा। एक ही पिंजरे में बंद अनेक कुत्ते।